लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 24 August 2023

TOI PAGE 3

Hearts soar with pride after landing

Times News Network

Lucknow: A pin-drop silence ended in loud chants of 'India India' and 'Bharat Mata ki Jay' at Lucknow University's Malviya hall, Khwaja Moinuddin Chisti Language University (KMCLU) and Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University (DSMNRU) as soon as the spacecraft successfully landed on the moon on Wednesday.

The three institutes had arranged the live screening of Chandrayaan-3 landing.

LU's Malviya hall was jam packed with students and teachers excited to witness the historic moment.

"Watching live screening together with students and later celebrating the success of the Chandrayaan-3 mission is something that cannot be expressed in words. The historic Malviya hall became a witness to another historic event of the country that has filled us all with great pride," said dean, student welfare, Prof Poonam Tandon.

"We are proud of our former students who are playing key roles in Isro as scientists. Our student Ritu Karidhal Srivastava was the mission director of Chandrayaan-2. Popularly known as the 'rocket woman' of India, Ritu pursued a bachelor's degree in Physics from LU.

Later, she received her ME in Aerospace Engineering from the Indian Institute of Science (IISc). Srivastava joined Isro in 1997 and was the mission director of Chandrayaan-2 and the deputy operations director of Mangalyaan," she added.

Meanwhile, specially-abled students of DSMNRU and students of KMCLU with the national flag in their hands could not stop chanting Vande Mataram soon after landing.

"We all were very nerv ous as in the last Chandrayaan 2 mission it was the landing where we failed," said DSMRU PhD student Namrita Khandelwal.

"IIM Lucknow too was a witness to an unforgettable evening of space exploration as the students, faculty, and the entire IIML community came together to extend appreciation and applause to the successful launch of Chandrayaan-3 by Isro," said Asmita Kamble, a student.

Prof Priyanka Sharma and Prof Suresh Jakhar were present.

HISTORIC FEAT IN THE SKY, JUBILATION ON LAND

V Sunil and Agencies

(Clockwise) Glimpses of celebrations by slum kids with cops, madrassa students, DM Surya Pal Gangwar at GD Goenka School, at Saharaganj Mall, at CMS and at the Lucknow University, on Wednesday

AMRIT VICHAR PAGE 4

स्नातक छात्रों को हॉस्टल आवंटन का मिला समय

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के हॉस्टल आवंटन हेतु ऑनलाइन माध्यम से आवेदन हेतु सूचना 18 को दी गई थी और इसकी अंतिम तिथि 24 थी। अब आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। बीएससी (मैथ्स), बीएससी (बायो), एलएलबी ऑनर्स कोर्स के प्रथम सेमेस्टर हेतु अंतिम तिथि 26 की गई है। बीकाम, बी काम (ऑनर्स), बीबीए, बीवी ए, बीएफए, डी फार्मा, एवं बीसीए प्रथम सेमेस्टर हेतु अंतिम तिथि 30 की गई है। इच्छुक विद्यार्थी एच एम एस ,(ऑनलाइन पोर्टल) पर आवेदन कर सकते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में कोई भी समस्या है तो वह एच एम एस पोर्टल पर ही उपलब्ध हेल्पडेस्क पर अपनी शिकायत मेल कर सकता है जिसका निस्तारण 24 घंटे के अंदर कर दिया जाता है। ये जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी है।

JAGRAN CITY PAGE III

सात विषयों में सीट आवंटन जारी

जासं, लखनऊ : लवि ने परास्नातक पाठ्यक्रमों में सात विषयों का सीट आवंटन जारी कर दिया है। इनमें मास्टर पब्लिक हेल्थ, एमए एंथ्रोपोलाजी, एमए फारेंसिक साइंस, एमएससी फारेंसिक साइंस, एमए मैथेमेटिक्स, एमएससी मैथमेटिक्स तथा एमएससी मालीकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स विषय शामिल है। 24 अगस्त को दोपहर 12 बजे के बाद सीट आवंटन देख सकते हैं। वहीं फीस 27 अगस्त की मध्य रात्रि तक आनलाइन जमा कर सकते हैं।

केमिस्ट्री की नियमित कक्षाएं 28 से

जासं, लखनऊ : लवि के एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री और बीएससी केमिस्ट्री तीसरे सेमेस्टर की नियमित कक्षाएं 28 अगस्त से शुरू होंगी।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बढ़ाई आवेदन की तिथि

LUCKNOW (23 Aug): एलयू में संचालित बीटेक, एमसीए व बीफार्मा पाठ्यक्रम में सीधे दाखिले के लिए आफलाइन आवेदन के लिए एक और मौका दिया है. अब अभ्यर्थी दो सितंबर तक फार्म भर सकते हैं. एकेटीयू की काउंसिलिंग के बाद इन पाठ्यक्रमों में खाली सीटों पर मेरिट से प्रवेश दिया जाएगा. अभ्यर्थी आफलाइन आवेदन फार्म भरकर जानकीपुरम स्थित इंजीनियरिंग संकाय में जमा करें.

खाली सीटों पर मेरिट से

इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक कंप्युटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक कंप्युटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस), बीटेक इलेट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, बीटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बीटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रथम सेमेस्टर, बीटेक तृतीय सेमेस्टर (लेट्रल एंट्री), एमसीए और बीफार्मा पहले व तीसरे सेमेस्टर (लेट्रल एंट्री) की खाली सीटों पर एलयू मेरिट से प्रवेश देगा.

हॉस्टल आवंटन के लिए अब 30 तक आवेदन करें

लखनऊ। एलयू में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को हॉस्टल आवंटन के लिए आवेदन करने की तारीख बढ़ा दी गई है।

पहले अंतिम तिथि 24 अगस्त तक थी। अब आवेदन करने की आखिरी तारीख 30 अगस्त तय कर दी गई है। छात्र एलयू की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर एचएमएस पोर्टल के द्वारा ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीएससी मैथ्स व बायो, एलएलबी ऑनर्स के लिए 26 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, बीबीए, बीवीए, बीएफए, डीफॉर्मा और बीसीए प्रथम सेमेस्टर के लिए अंतिम तिथि 30 अगस्त की गई है। इच्छुक विद्यार्थी एचएमएस पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 5

पीजी के सात पाठ्यक्रम की सीट आवंटित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी के सात पाठ्यक्रमों के लिए सीट आवंटित कर दी गई हैं। इन पीजी कार्यक्रमों में अब 27 अगस्त तक फीस भर कर सीट कन्फर्म कर सकेंगे। एलयू में एमए मानवशास्त्र, एमए या एमएससी फॉरेंसिक साइंस, एमए या एमएससी गणित, एमएससी मॉलिक्यूलर एंड जेनेटिक्स, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय में चंद्रयान-3 की लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा गया • सौ. लवि

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि : पूर्व छात्रा डॉ. रितु करिधल को दी बधाई

लखनऊ। लविवि ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में शाम 5.30 बजे से 6.20 बजे तक मालवीय सभागार में चंद्रयान मिशन 3 की सॉफ्ट लैंडिंग का सीधा प्रसारण आयोजित किया। इस प्रसारण के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के सभी शिक्षण सदस्य, शोध छात्र एवं स्नातकोत्तर छात्र उपस्थित रहे। सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में इस अत्यंत दुर्लभ लैंडिंग के बारे में नई जानकारी प्राप्त की और अनुसंधान और जांच के इस बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र में नए शोध और जांच को अंजाम देने के लिए प्रेरित हुए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विशेष रूप से अपनी पूर्व छात्रा डॉ. रितु करिधल श्रीवास्तव को इसके लिए हृदय से बधाई और शुभकामनाएं दी।

हॉस्टल आवेदन की तिथि 30 तक बढ़ी

लखनऊ। लविवि में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के हॉस्टल आवंटन के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन के लिए सूचना 18 अगस्त को दी गयी थी और इसकी अंतिम तिथि 24 अगस्त थी। अब आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ायी जा रही है। बीएससी (मैथ्स), बीएससी (बायो), एलएलबी ऑनर्स कोर्स के प्रथम सेमेस्टर के लिए अंतिम तिथि 26 अगस्त की जा रही है। बीकाम, बीकाम (ऑनर्स), बीबीए, बीवीए, बीएफए, डीफार्मा एवं बीसीए प्रथम सेमेस्टर के लिए अंतिम तिथि 30 अगस्त की गयी है। इच्छुक विद्यार्थी एचएमएस, (ऑनलाइन पोर्टल) पर आवेदन कर सकते हैं। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में कोई भी समस्या है तो वह एच एम एस पोर्टल पर ही उपलब्ध हेल्पडेस्क पर अपनी शिकायत मेल कर सकता है जिसका निस्तारण 24 घंटे के अंदर कर दिया जाता है।

LOKSATYA PAGE 3

व्याख्यान में पुस्तक पर चर्चा

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दर्शनशास्त्र विभाग में विशेष व्याख्यान माला के पांचवें दिन कांट की पुस्तक ' क्रिटिक ऑफ प्योर रीजन' के अंतर्गत मुख्य अतिथि प्रो राकेश चंद्रा ने कांट की एंटोनॉमी , न्यूमिना, फिनोम्ना के बारे में विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

प्रो चंद्रा ने सत्र के अन्त में प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं के समाधान प्रस्तुत किए। समापन एचओडी डॉ रजनी श्रीवास्तव ने आभार जताया। विभाग के सभी प्रोफेसर, शोध छात्र , स्नातक तथा परास्नातक के छात्र, प्रतिभागी मौजूद रहे।- खेल में लगने वाली चोटों प्राथमिक उपचार बतायेएलयू के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से

सात दिवसीय शारीरिक शिक्षा बौद्धिक व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में डॉ संजय श्रीवास्तव, हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट, जसपाल राणा इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, देहरादून ने शारीरिक शिक्षा विभाग के बीपीएड एवं एमपीएड के छात्रों के मध्य विशेष व्याख्यान दिया। डॉ संजय द्वारा छात्रों को स्पोर्ट्स इंजरी एंड कोपिंग मैकेनिज्म विषय पर विस्तार से अपनी प्रस्तुति से छात्रों को बताया।

तुलसीदास पराकाष्ठा के कवि: प्रो. हरिशंकर मिश्र

आयोजन

- **एलयू में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई**

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के हिन्दी - विभाग में युगद्रष्टा- लोकनायक गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी विभाग के प्रो हरिशंकर मिश्र ने बताया कि गोस्वामी जी ने कवीश्वर के साथ कपीश्वर को कवि के लिए आवश्यक माना है।

साथ ही गोस्वामी जी पराकाष्ठा के कवि है। हिन्दी विभाग में प्रोफेसर अलका पाण्डेय ने अपने बीजवक्तव्य में बताया कि तुलसीदास जी ने केवल यथार्थ का वर्णन नहीं किया बल्कि उससे निकलने का रास्ता भी बताया। तभी तो युग मूल्यों की कसौटी पर अपनी परीक्षा देता हुआ, रामचरितमानस आज भी जीवित है। प्रो योगेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वागत भाषण में प्रो हरिशंकर मिश्र और गोस्वामी जी के महत्त्व पर प्रकाश डाला । प्रो अलका पाण्डेय ने तुलसीदास कृत रामलला नहछू का गायन के बाद गोस्वामी जी के मूल्यबोध और लोक में उनकी प्रतिष्ठा के संदर्भों से अवगत कराया। जयन्ती के डॉ. कृष्णा व बुद्धप्रिय गौतम ने राम भजन गाया। विभागाध्यक्ष प्रो रश्मि कुमार ने आभार जताया।

इस सफलता से अंतरिक्ष विज्ञान में क्रांति आएगी

डॉ. अलका मिश्रा

लखनऊ। चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग करने वाला भारत पहला देश बना है। अभी तक कोई भी देश इस क्षेत्र में नहीं पहुंच सका है। इससे अब वहां की जलवायु, मिट्टी, पानी और जीवन की संभावना पता चल सकेगी।

ये बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्र विषय की शिक्षिका डॉ. अलका मिश्रा ने कहीं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता से भारत तकनीकी रूप से आगे बढ़ेगा। खगोलशास्त्री डॉ. अलका मिश्रा ने कहा कि 23 अगस्त को इसे इसलिए उतारा गया है क्योंकि चंद्रमा पर दिन की शुरुआत हुई है। चंद्रमा पर लगातार 14 दिन और 14 रातें होती हैं। डॉ. अलका का कहना है कि दिन होने से वहां रोवर को सूर्य की रोशनी मिल सकेगी। एलयू की अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह एलयू की सफलता है।

सभी देशवासियों को बधाई। हमारे वैज्ञानिकों ने एक बार फिर हमें गौरवान्वित किया है। इससे चंद्रमा व अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नए शोध और जानकारियां इकट्ठा करने का मौका मिलेगा। मैं ऋतु करिघाल को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम पूरी दुनिया में बढ़ाया है।
- प्रो. आलोक राय (वीसी, एलयू)

चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि। इस कामयाबी के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और मिशन में शामिल सभी वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं। यह एक अविस्मरणीय क्षण है। वैज्ञानिकों ने इतिहास रचकर देश को गौरवान्वित किया है। **प्रो. संजय सिंह,** कुलपति, डॉ. राम लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि.

अंतरिक्ष विज्ञान में बड़ी क्रांति लेकर आएगा चंद्रयान-3

लखनऊ, संवाददाता। चंद्रयान-3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग से अब वहां जलवायु, मिट्टी, पानी व जीवन की संभावना पता चल सकेगी। यह बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्र विषय की शिक्षिका डॉ. अलका मिश्रा ने कही।

डॉ. अलका मिश्रा ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता से भारत तकनीकी रूप से आगे बढ़ेगा। हमारे डाटा का दूसरे देश इस्तेमाल कर सकेंगे। जिससे हमारी अर्थव्यवस्था में भी वृद्धि होगी। डॉ. मिश्रा ने 23 अगस्त को ही लैंडिंग कराने का कारण बताया। उन्होंने कहा, बुधवार को इसे इसलिए उतारा गया है क्योंकि चंद्रमा पर दिन की शुरुआत हुई है। वहां लगातार 14 दिन और 14 रातें होती हैं। दिन होने से वहां रोवर को सूर्य की रोशनी मिल सकेगी। जिससे उसे लगातार कार्य करने में सफलता हासिल हो सकेगी।

अंतरिक्ष विज्ञान की पढ़ाई में बढ़ेगी रुचि

एलयू की अधिष्ठाता अकादमिक व छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग कराने की जिम्मेदारी एलयू की छात्रा रही ऋतु करिधाल के कंधों पर थी। इसलिए यह भारत और लखनऊ विश्वविद्यालय दोनों की सफलता है। अब अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में युवा छात्र-छात्राएं पढाई करने के लिए आगे आएंगे।

HINDUSTAN PAGE 7

उम्मीद | **मिशन मून की कामयाबी से शोधार्थियों में भारी उत्साह, बोले-यह सफलता देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान के मायने बदल देगी, चांद की कई अनसुलझी पहेलियों का अब राज खोल सकेंगे भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक**

वह दिन दूर नहीं जब चांद पर इंसान भी भेजेगा भारत

लखनऊ, संवाददाता। मिशन मून की सफलता से शोध छात्र उत्साहित हैं। शोध छात्रों का कहना है कि आने वाले समय में अंतरिक्ष विज्ञान में कई बड़े बदलाव दिखेंगे। चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध सभी अवयवों के बारे में जानकारी हमारे पास होगी। चंद्रमा का ताप, गुरुत्वाकर्षण, प्लाज्मा घनत्व का पता लगाना आसान हो जाएगा। स्थितियां अनुकूल मिली तो भविष्य में हम मानव को भी भेज सकेंगे।

एलयू और एकेटीयू में साझा की गईं खुशियां : लखनऊ विश्वविद्यालय और एकेटीयू के कुलपति व सभी शिक्षक चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर लैंडिंग के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने।

एलयू के मालवीय सभागार में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन और अलग-अलग विभागों के 200 से अधिक शिक्षकों ने चांद पर भारत के पहले कदम को उतरते देखा। इसी तरह एकेटीयू स्थित सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में कैश के निदेशक प्रोफेसर वीरेंद्र पाठक और डॉ. अनुज कुमार शर्मा के नेतृत्व में हॉल में बैठे सभी लोग स्क्रीन पर टकटकी लगाए रहे। बीच-बीच में छात्रों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए। वहीं शाम छह बजकर चार मिनट पर जैसे ही चंद्रयान-3 चांद पर उतरा तब पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

छात्र-छात्राओं ने मनाई खुशी: रहीमाबाद इलाके के प्राथमिक विद्यालय चांदपुर में छात्र-छात्राओं ने खुशी मनाई।

यह डिवाइस चंद्रमा की सतह पर प्लाज्मा घनत्व की जांच करेगा। आयनों, इलेक्ट्रॉनों के स्तर और समय के साथ उनमें होने वाले बदलावों का अध्ययन करके जानकारी इकट्ठा करेगा। **विशाल शुक्ला** शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग

देश के अन्य युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। राज्य विश्वविद्यालयों को भी रिसर्च करने वाले नॉन जेआरएफ शोधार्थियों को कुछ न कुछ आर्थिक मदद देना चाहिए। **अखिलेश्वर** (शोधार्थी, फिजिक्स)

यह भारत की बहुत बड़ी उपलब्धि है। भविष्य में हम मानव भी भेज सकेंगे। अमेरिका, रूस, चीन ने उत्तरी ध्रुव पर भेजा था। हमारा दक्षिणी ध्रुव पर गया है। **महेश कुमार** (शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग)

जिस क्षेत्र में चंद्रयान-3 पहुंचा है वहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंच पाती। पानी के अलग-अलग स्थिति में होने की संभावना है। इससे आने वाले वर्षों में होने वाले बदलाव के बारे में जान सकेंगे। **परमानंद पांडेय** (शोधार्थी, भौतिक)

सफल लैंडिंग से दक्षिणी ध्रुव के बारे में नई-नई जानकारियां प्राप्त हो सकेंगी। जिससे शोधार्थियों को रिसर्च और पेपर पब्लिश करने में आसानी होगी। यह पूरे देश की सफलता है। भविष्य में अब भारत अब सूर्य पर शोध के बारे में विचार कर सकता है। **शरद शर्मा** (विद्यार्थी, एलयू)

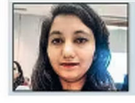

इस क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों को अब चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे में बेहतर तरीके से पता चल सकेगा। क्योंकि अभी तक उस हिस्से की कोई तस्वीर नहीं थी। टेलीस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता था। **साक्षी श्रीवास्तव** (शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग)

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग से रिसर्च करने के नए विषय उपलब्ध होंगे। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में रिसर्च करने वाले शोधार्थी अब चांद के दक्षिणी ध्रुव के मिनरल्स, जलवायु सहित अन्य विषयों पर शोध कर सकेंगे। **प्रवी मिश्रा** (शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग)

यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है। हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत का नतीजा है कि हम चंद्रमा के बारे में और अधिक जानकारी जुटा पाएंगे। भविष्य में हमें शोध करने में भी आसानी होगी। चंद्रमा के नए-नए रहस्य सामने आएंगे। **अंकिता चौधरी** (शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग)

डेटा से अर्थव्यवस्था को मिलेगा लाभ

मेरा रिसर्च का विषय एस्ट्रो से ही संबंधित है। हमें पता चल सकेगा कि वहां पर मॉलिक्यूल्स कैसे बन रहे हैं। मिट्टी, खनिज पदार्थों के बारे में भी जानकारी मिल सकेगी। हमारे डेटा से पूरी दुनिया को फायदा मिल सकेगा। **मनीषा यादव** (शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग)

40 फीसदी चांद को देखने में होंगे सफल

हमें पृथ्वी से सिर्फ 60 फीसदी चंद्रमा दिखता है। इसकी लैंडिंग से अब बाकी का 40 प्रतिशत चंद्रमा देखने में सफल होंगे। वहां के पर्यावरण, जमीनी सतह और चंद्रमा की उत्पत्ति के बारे में जान सकेंगे। **रचना सिंह** (शोधार्थी, भौतिक विज्ञान विभाग)